



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 115]

No. 115]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 7, 2003/फाल्गुन 16, 1924

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 7, 2003/PHALGUNA 16, 1924

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2003

सा.का.नि. 206 (अ).—वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 द्वारा यथाअपेक्षित वायुयान (खतरनाक माल का वहन) नियम, 2002 का प्रारूप नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 289 दिनांक 12 जुलाई, 2002 के साथ भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) दिनांक 27 जुलाई, 2002 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी उनसे राजपत्र, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी; की प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से पैंतालीस दिनों के भीतर आक्षेप या सुझाव आमंत्रित किए गए थे।

और चूँकि 27 जुलाई, 2002 को भारत के राजपत्र की उक्त प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करायी गई थी;

और चूँकि उक्त प्रारूप नियमों पर कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा वायुयान नियमावली, 1937 में और आगे संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है नामश :-

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और लागू होना :- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (खतरनाक माल का वहन) नियम, 2003 है।

(2) इनका विस्तार संपूर्ण भारत पर है और ये निम्नलिखित को भी लागू हैं, -

- (क) ऐसे वायुयान को, जो भारत में रजिस्ट्रीकृत हैं या किसी ऐसे वायुयान को जो ऐसे प्रचालक द्वारा प्रदानित हैं जिसके कारबाह का मुख्य स्थान अथवा स्थायी निवास स्थान भारत में है, चाहे वे कहीं भी हो;
- (ख) ऐसे सभी वायुयानों को जो तत्समय भारत में या भारत के ऊपर हों; और

(ग) ऐसे व्यक्तियों को जो भारत के भीतर या भास्त के ऊपर, भास्त को या भारत से वायु परिवहन सेवाओं का प्रचालन कर रहे हों, और खतरनाक माल भेजने वालों का या उनके अभिकत्ताओं को ।

(3) ये राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं और निर्वचन - इन नियमों में, जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो,-

- (1) “विमान क्षेत्र” थल या जल का निश्चित या सीमित ऐसा कोई क्षेत्र अभिप्रेत है जो पूर्णतः या भागतः वायुयान के उत्तरने या उसके प्रस्थान के लिए आशयित है और इसके अंतर्गत उस पर और उससे संबद्ध सभी भवन, शेड, यान, प्रस्तान और अन्य संरचनाएं आती हैं;
- (2) “वायुयान” से ऐसी कोई मशीन अभिप्रेत है जो पृथ्वी की सतह के विरुद्ध वायु की प्रतिक्रिया से भिन्न वायु की प्रतिक्रिया से वातावरण में अवलम्ब प्राप्त कर सकती है और इसके अंतर्गत बैलून जो चाहे स्थिर हों या मुक्त हों, वायु फैत, फतंग, ग्लाइडर और उड़ान यान मशीनें आती हैं;
- (3) “स्थौरा वायुयान” यानी वायुयान से भिन्न, कोई ऐसा वायुयान अभिप्रेत है जो माल या संपत्ति को ले जाता है;
- (4) “कर्मादल-सदस्य” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो प्रचालक द्वारा उड़ान ऊटी अवधि के दौरान किसी वायुयान पर ऊटी के लिए समनुदेशित किया गया है;
- (5) “खतरनाक माल” से ऐसी वस्तुएं या पदार्थ अभिप्रेत हैं जो स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपत्ति या पर्यावरण के लिए जोखिम पैदा करने में समर्थ है और जिन्हें तकनीकी अनुदेशों में इस रूप में सूचीबद्ध किया गया है या जो तकनीकी अनुदेशों के अनुसार वर्गीकृत किए गए हैं तथा उसके अंतर्गत आयुध, मिलिट्री भंडार युद्धउपकरण और युद्धसामग्री भी हैं;
- (6) “खतरनाक माल दुर्घटना” से ऐसी कोई घटना अभिप्रेत है जो वायुयान द्वारा खतरनाक माल के परिवहन से सहयुक्त और संबंधित है और इसके परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति को घातक या गंभीर क्षति हुई है या संपत्ति का काफी नुकसान हुआ है;
- (7) “खतरनाक माल घटना” से खतरनाक माल दुर्घटना से भिन्न ऐसी कोई घटना अभिप्रेत है जो वायुयान द्वारा खतरनाक माल के परिवहन से सहयुक्त है और उससे संबंधित है किंतु जिसको किसी वायुयान के फलक पर घटित होना आवश्यक नहीं है जिसके परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति को क्षति पहुंची हो, संपत्ति को नुकसान पहुंचा हो, आग लगी हो, टूट-फूट हुई

हो, कुछ बिखरा हो, द्रव्य का रिसाव या ऐसा कोई विकिरण या कोई अन्य साक्ष्य उत्पन्न हुआ हो के पैकिंग की संपूर्णता कायम नहीं रखी गई है और उसके अंतर्गत खतरनाक माल के परिवहन से संबद्ध कोई घटना सम्प्रिलित है जो किसी वायुयान या उसकी सवारियों को गंभीर जोखिम में डालती हो ;

- (8) “महानिदेशक ” से नागर विमानन महानिदेशक अभिप्रेत है;
- (9) “उड़ान कर्मीदल सदस्य ” से कर्मीदल का ऐसा अनुज्ञाप्त सदस्य अभिप्रेत है जिसे उड़ान छ्यूटी अवधि के दौरान किसी वायुयान के प्रचालन के लिए अनिवार्य कर्तव्य सौंपा गया हो;
- (10) “प्रचालक ” से ऐसा व्यक्ति, संगठन या उद्यम अभिप्रेत है जो वायुयान प्रचालन में लगा हुआ है या उसमें लगाने के लिए प्रस्ताव करता है;
- (11) “ओवरपैक ” से किसी एकल माल भेजने वाले द्वारा कोई एक या अधिक पैकेज अंतर्विद्युत करने के लिए और हथालन और भरण की सुविधा के लिए एक हथालन एकलक या विनिर्णय करने के लिए प्रयुक्त संवेष्टक अभिप्रेत है;
- (12) “पैकेज ” से पैकेजिंग प्रचालन का कोई पूर्ण उत्पाद अभिप्रेत है जिसके अंतर्गत परिवहन के लिए तैयार की गई पैकेजिंग और उसकी अंतर्विद्युत सम्प्रिलिपि है;
- (13) “पैकेजिंग ” से पात्र और कोई ऐसे अन्य संघटक या सामग्री अभिप्रेत हैं जो आपने आवाहन के कृत्य करने के लिए पात्र के लिए आवश्यक हैं;
- (14) “यात्री वायुयान ” से ऐसा वायुयान अभिप्रेत है जो कर्मीदल सदस्य, पर्सनल हैंप्रिलिपि में प्रचालक के किसी कर्मचारी, किसी समूचित राष्ट्रीय प्राधिकरण के किसी प्राधिकरण प्रतिनिधि या किसी पारेषण या अन्य स्थौरा के साथ जाने आले व्यक्ति से यिन्हें किसी व्यक्ति को दौ जला है;
- (15) “पायलेट-इन-कमांड ” से ऐसा प्रायलेट अभिप्रेत है जिसे प्रचालक द्वाया परिवहन किसी भाषा है या सामान्य विमानन की दशा में, स्वामी द्वारा इस रूप में पदाधिकृत किया गया है कि जो समादेशन करता हो और जिसे उड़ान के सुरक्षित संचालन का भास सौंपा याज्ञा हो;
- (16) “गंभीर क्षति ” से ऐसी क्षति अभिप्रेत है जो किसी व्यक्ति को किसी दुर्घटना में प्रहृती है और जिसकी वजह से ;

- (क) 48 घंटे से अधिक के लिए अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता है और वह अवधि क्षति पहुंचने की तारीख से सात दिन के भीतर प्रारंभ होगी;
- (ख) जिसके परिणामस्वरूप कोई अस्थि भंग हुई हो (अंगुलियों, पादांगुलियों या नाक के साधारण भंगों के सिवाय); या
- (ग) जिसमें विदीर्णन अंतर्वलित है जो गंभीर रक्तस्राव, स्नायु, मांसपेशी या नस की क्षति कारित करता है;
- (घ) जिसमें किसी आंतरिक अंग को हुई क्षति अंतर्वलित हो; या
- (ङ) जिसमें द्वितीय या तृतीय डिग्री की जलन अंतर्वलित है या ऐसी कोई जलन अंतर्वलित है जिससे शरीर की त्वचा पांच प्रतिशत से अधिक प्रभावित हुई हो; या
- (च) जिसमें संक्रामक पदार्थों या हानिकर विकिरण के प्रति सत्यापित अनावरण है;
- (17) “प्रचालक का राज्य” से वह राज्य अभिप्रेत है जिसमें प्रचालक के कारबार का मुख्य स्थान अवस्थित है या, यदि कोई कारबार का ऐसा स्थान नहीं है तो प्रचालक का स्थायी निवास स्थान अवस्थित है;
- (18) “तकनीकी अनुदेश” से अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन द्वारा जारी खतरनाक माल के सुरक्षित परिवहन के लिए तकनीकी अनुदेश अभिप्रेत है;
- (19) “यू.एन. संख्या” से किसी पदार्थ या पदार्थों की विशिष्ट समूह की पहचान करने के लिए खतरनाक माल के परिवहन के संबंध में संयुक्त राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति द्वारा समनुदेशित अंकीय संख्या अभिप्रेत है;
- (20) “यूनिट लोड डिवाइस” से किसी वायुयान पर माल लादने के लिए डिजाइन किया गया किसी प्रकार का माल भाड़ा अधान, वायुयान आधान या वायुयान सांथरी अभिप्रेत है जिसमें जाल लगा हो किंतु इसके अंतर्गत ओवरफैक नहीं है।

3. खतरनाक माल का वायुयान द्वारा वहन - (1) इन नियमों में जैसा अन्यथा उपबंधित उसके सिवाय, कोई भी व्यक्ति, भारत को, उससे, उसके भीतर या उसके ऊपर किसी वायुयान में, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुदत्त लिखित में अनुज्ञा के निबंधनों और शर्तों के अनुसार और उनके अधीन रहते हुए, के सिवाए किसी खतरनाक माल को नहीं ले जाएगा या ऐसे वायुयान पर लदान के लिए परिदत्त नहीं करेगा या परिदत्त कराएगा।

(2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित वर्गों के खतरनाक माल को, उपनियम (3) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, किसी वायुयान में ले जाया जा सकेगा, अर्थात् :-

- (क) ऐसी वस्तुएं और पदार्थ जो वायुयान में सवार होने के लिए उपयुक्त उड़ान योग्यता के अपेक्षानुसार और प्रचालन विनियमों के अनुसार अपेक्षित हैं या जो प्रचालक के राज्य द्वारा विशेष अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्राधिकृत हैं;
- (ख) ऐसा माल जो परिवहन के साधनों के नोदन के लिए या परिवहन के दौरान उसके विशिष्ट उपस्कर (अर्थात् प्रशीतन एकक) के प्रचालन के लिए अपेक्षित हैं या वह माल जो प्रचालन विनियमों के अनुसार अपेक्षित है (अर्थात् अग्निशामक दमकल);
- (ग) प्रचालक द्वारा उड़ान या उड़ानों की श्रृंखला के दौरान वायुयान में उपयोग या विक्रय के लिए यात्री वायुयान में ले जाने वाले एसोविलेय, अल्कोहलिक सुपेय, इत्र, वासव, सुरक्षा दियासिलाइ और द्रवीकृत गैस लाइटर्स/किन्तु पुनः न भरे जाने योग्य लाइटर और ऐसे लाइटर्स उनके अंतर्गत नहीं आते जो, कम दबाव में जब उन्हें उद्भासित किया जाए तो लीक हो सकें;
- (घ) वायुयान के फलक पर खाद्य और सुपेय सेवा में उपयोग के लिए आशयित शुष्क बर्फ;
- (ङ) ऐसा माल जो उड़ान के दौरान केसी व्यक्ति को चिकित्सीय सहायता या पशु चिकित्सा सहायता या किसी पशु के लिए मानवोचित हन्ता उपलब्ध कराने के लिए अपेक्षित है;
- (च) ऐसा माल जो कृषि, बागवानी, वन या प्रदूषण नियंत्रण क्रियाकलापों के संबंध में, गिराए जाने के लिए अपेक्षित है ;
- (छ) ऐसा माल जो खोज और बचाव संक्रिया के संबंध में उड़ान के दौरान सहायता उपलब्ध कराने के लिए अपेक्षित है ;
- (ज) ऐसी वस्तुएं और पदार्थ जैसे छोटे गैसीय आक्सीजन या वायु के सिलेण्डर जो चिकित्सीय उपयोग और हृदय गति नियामक रेडियो आइसोटोपिक के लिए अपेक्षित हैं या अन्य युक्तियां, व्हील चेयर या अन्य बैट्री से चालित मोबाइलटी सहायता, सुरक्षा दियासिलाइयां या लाइटर और गैर रेडियोधर्मी औषधीय या प्रसाधन वस्तुएं जैसा एल्कोहलिक युक्त औषधियां, हेयर सप्रे, इत्र और वासव आदि जो ऐसी छोटी मात्रा में हो जो तकनीकी अनुदेशों के अनुसार यात्रियों और कर्मीदल द्वारा ले जाए जाने के लिए अनुज्ञेय हो ;

(3) जहां खतरनाक माल का वहन उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन अनुज्ञेय है वहां माल ले जाने वाला प्रचालक और पैकिंग, चिन्हित करना, लेबल लगाना, स्वीकार करने, हथालने, लादने, उतारने, भंडारण करना, परिवहन या ऐसे खतरनाक माल के वहन से प्रत्यक्षतः या परोक्षतः संबंधित अन्य कोई प्रक्रिया करने का और वायुयान या उसमें व्यक्तियों या किसी अन्य व्यक्ति या संपत्ति के खतरे को टालने के लिए सभी सावधानियां बरतने और विशेषतः यह सुनिश्चित करने का कर्तव्य होगा कि -

- (क) खतरनाक माल इस प्रकार पैक, संरक्षित और सुरक्षित किया गया है जिससे उस माल के किसी खतरे का स्रोत बनने की संभावना से बचा जा सके;
- (ख) खतरनाक माल को इस प्रकार ले जाया जाता है जिससे वायुयान में यात्रियों की पहुंच न हो सके;
- (ग) खतरनाक माल की प्रकृति स्पष्ट रूप से और सहज दृश्य रूप से उस माल को अंतर्विष्ट करने वाले पैकेज पर चिन्हित किया गया है; और
- (घ) तकनीकी अनुदेशों के सभी अन्य उपबंधों और केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुदत्त अनुज्ञा के निबंधनों और शर्तों का कड़ाई से पालन किया जाता है।

4. अप्राधिकृत खतरनाक माल की अभिरक्षा -- जहां केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी व्यक्ति के पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस नियम के उपबंधों का उल्लंघन किया गया है या उल्लंघन किया जाने वाला है, वहां प्रश्नगत खतरनाक माल को उक्त माल की स्वीकृति की विस्तृत जांच होने के दौरान या उस विषय में की जाने वाली कार्रवाई, यदि कोई हो, के संबंध में किसी विनिश्चय के लंबित रहने के दौरान अपनी अभिरक्षा में रखा जाएगा।

5. पैकिंग -- (1) खतरनाक माल को इस नियम के उपबंधों के अतिरिक्त तकनीकी अनुदेशों में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक किया जाएगा।

(2) यह सुनिश्चित किया जाएगा कि खतरनाक पदार्थ की कोई भी हानिकारक मात्रा खतरनाक माल के परिवहन के लिए प्रयुक्त पैकिंग के बाहर लगी हुई न हो।

(3) वायुयान द्वारा खतरनाक माल के परिवहन के लिए प्रयुक्त पैकेजिंग अच्छी क्वालिटी की है और इस प्रकार सनिर्भित और सुरक्षित रूप से होंगी जिससे रिसाव से बचा जा सके तो तापमान, आर्द्रता या दवाब में परिवर्तन द्वारा या कंपन द्वारा परिवहन की सामान्य दशाओं में कारित हो सकती है।

(4) पैकिंग उसकी अंतर्वस्तु के लिए उपयुक्त होंगी और उक्त पैकिंग का खतरनाक माल से सीधे संपर्क को किसी रसायन या माल की अन्य क्रिया के प्रतिरोधी होगी।

(5) खतरनाक माल के परिवहन के लिए प्रयुक्त आंतरिक पैकिंग इस रीति से पैक, सुरक्षित की जाएगी या उसमें गद्दी लगाई जाएगी जिससे कोई भी ट्रूट-फूट या रिसाव न हो और ये खतरनाक ग्राहक के लालू परिवहन की सामान्य दशाओं के दौरान बाहरी पैकिंगों के भीतर खतरनाक माल के संचलन को नियंत्रित करने और गदियों और अवशोषक समग्री आधानों की अंतर्वस्तु के साथ खतरनाक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं करेगी ।

(6) खतरनाक माल के परिवहन के लिए प्रयुक्त कोई भी पैकेजिंग तब तक पुनः प्रयुक्त नहीं की जाएगी, —

- (क) जब तक कि उसका निरीक्षण न कर लिया गया हो और उससे संक्षारण या अन्य नुकसानों से मुक्त न पाया गया हो; और
- (ख) जब तक कि पश्चात्तरी अंतर्वस्तुओं के संदूषण को रोकने के लिए सभी आवश्यक पूर्वावधानियां न बरती गई हों;

परन्तु यहां खतरनाक माल के परिवहन के लिए पहले से प्रयुक्त पैकेजिंग में समुचित रूप से साफ करना संभव न हो वहां ऐसी साफ न की गई खाली पैकेजिंग को कायुयान द्वारा ऐसे खतरनाक माल, जिसके लिए ऐसी पैकेजिंग का पहले उपयोग किया गया है, परिवहन के लिए यथाअधिकथित वैसी ही प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए परिवाहित की जाएगी ।

6. **लेबल लगाना** — जब तक कि तकनीकी अनुदेशों में अन्यथा उपबंधित न हो, खतरनाक माल के प्रत्येक पैकेज पर तकनीकी अनुदेशों में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार लेबल लगाए जाएंगे ।

7. **चिन्हांकन** — (1) तकनीकी अनुदेशों में जैसा अन्यथा उपबंधित है, उसके सिवाय, खतरनाक माल के प्रत्येक पैकेज को उसकी अंतर्वस्तु के उचित प्रेषण के नाम के साथ चिन्हांकित किया जाएगा और जब उसे सौंपा जाए संयुक्त राष्ट्र संघ्या और ऐसे अन्य चिन्हांकन लगाए जाएंगे जो उन अनुदेशों में विनिर्दिष्ट हों ।

(2) तकनीकी अनुदेशों में जैसा यथाउपबंधित हैं उसके सिवाय, तकनीकी अनुदेशों के विनिदेशों के अनुरूप विनिर्मित प्रत्येक पैकेजिंग पर तकनीकी अनुदेशों के उपबंधों के अनुसार चिन्हांकन किया जाएगा और इस प्रकार कोई अन्य पैकेजिंग चिन्हांकित नहीं की जाएगी ।

8. **माल भेजने वाले के दायित्व** — (1) कोई भी माल भेजने वाले या उसके अभिकर्ता खतरनाक माल के किसी पैकेज या ओवरपैक को वायुयान द्वारा परिवहन के लिए तब तक प्रस्थापित नहीं करेगा जब तक कि उसने यह सुनिश्चित न कर दिया हो कि ऐसा खतरनाक माल वायुयान द्वारा परिवहन के लिए वर्जित नहीं है और उसे उचित रूप से पहचाना गया, तकनीकी अनुदेशों में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार वर्णीकृत, पैक, चिन्हांकित किया गया है और उस पर लेबल लगाया गया है ।

(2) जब तक इन नियमों में यथाउपबंधित न हो, कोई भी माल भेजने वाले या उसके अभिकर्ता वायुयान द्वारा परिवहन के लिए खतरनाक माल को प्रस्थापित नहीं करेगा जब तक कि उसने तकनीकी अनुदेशों में यथाविनिर्दिष्ट, खतरनाक माल परिवहन दस्तावेज को पूरा नहीं कर दिया गया हो, उस पर हस्ताक्षर न कर दिए हों और प्रचालक को उपलब्ध न करा दिया हो ।

(3) खतरनाक माल परिवहन दस्तावेज पर एक घोषणा होगी जिस पर माल भेजने वाले द्वारा यह उपदर्शित करते हुए हस्ताक्षर किए जाएंगे कि खतरनाक माल को उसके उचित प्रेषण नामों से पूर्णतः या पर्याप्त रूप से वर्णित कर दिया गया हो और उसे तकनीकी अनुदेशों की अपेक्षाओं के अनुसार वायुयान द्वारा परिवहन के लिए वर्गीकृत, पैक, चिन्हांकित किए गया है, उस पर लेबल लगाया गया है और वह सही हालत में है ।

9. प्रचालक के दायित्व — (1) कोई भी प्रचालक वायुयान द्वारा परिवहन के लिए खतरनाक माल को तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि —

- (क) खतरनाक माल के साथ सिवाय वहां के जहां तकनीकी अनुदेश यह विनिर्दिष्ट करता हो कि ऐसा दस्तावेज अपेक्षित नहीं है, पूरा किया गया खतरनाक माल परिवहन दस्तावेज है;
- (ख) ऐसे पैकेज, ओवरपैक या माल आधान का, जिसमें खतरनाक माल अंतर्विष्ट हैं, तकनीकी अनुदेशों में विनिर्दिष्ट स्वीकृति की प्रक्रिया के अनुसार निरीक्षण कर लिया गया है ।

(2) प्रचालक यह सुनिश्चित करेगा कि तकनीकी अनुदेशों द्वारा यथा अपेक्षित स्वीकृति जांच सूची—विकसित कर ली गई है और उसके स्वीकृति कर्मचारीवृद्ध द्वारा उसका उपयोग किया जा रहा है ।

(3) ऐसे पैकेजों और ओवर पैकों का जिसमें खतरनाक माल अंतर्विष्ट हैं और ऐसे माल भाड़ा आधानों का जिसमें रेडियोधर्मी सामग्री अंतर्विष्ट हैं, किसी वायुयान पर या यूनिट लोड डिवाइस में लादने से पूर्व रिसाव या हानि के साक्ष्य के लिए निरीक्षण किया जाएगा और ऐसे पैकेजों, ओवर पैकों या माल आधानों को वायुयान पर तकनीकी अनुदेशों में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार लादा जाएगा और उसमें चढ़ाया जाएगा ।

(4) प्रचालक यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी रिसाव युक्त या क्षतिग्रस्त पैकेज, ओवरपैक या माल आधान जिनमें खतरनाक माल अंतर्विष्ट हैं, किसी वायुयान पर लादा नहीं जाएगा ।

(5) किसी यूनिट लोड डिवाइस को किसी वायुयान के फलक पर तब तक लादा नहीं जाएगा जब तक कि उस युक्ति का निरीक्षण न कर लिया गया हो और उसमें अंतर्विष्ट किसी खतरनाक माल के रिसाव या नुकसानी के किसी साक्ष्य से मुक्त न पाया गया हो ।

(6) जहां किसी वायुयान पर लादे गए खतरनाक माल का कोई पैकेज नुकसानग्रस्त या रिसाव प्रतीत होता है तो वहां प्रचालक ऐसे पैकेज को वायुयान से हटा देगा या यथास्थिति, किसी समुचित प्राधिकारी या संगठन द्वारा उसके हटाने के लिए व्यवस्था करेगा और उसके पश्चात् यह सुनिश्चित करेगा कि शेष पारेषण वायुयान द्वारा परिवहन के लिए उचित स्थिति में है और कोई अन्य पैक संदूषित नहीं हुआ है।

(7) ऐसे पैकेजों या ओवरपैकों का जिसमें खतरनाक माल अंतर्विष्ट हैं और ऐसे माल भाड़ा आधारों का जिनमें रेडियोधर्मी सामग्री अंतर्विष्ट है, वायुयान से या यूनिट लोड डिवाइस से उतारते समय नुकसान या रिसाव के किसी संकेत के लिए निरीक्षण किया जाएगा और यदि नुकसान या रिसाव का कोई साक्ष्य पाया जाता है तो उस स्थान का जहां खतरनाक माल या यूनिट लोड डिवाइस वायुयान पर रखी गई हैं, नुकसान या संदूषण के लिए निरीक्षण किया जाएगा।

(8) नियम 3 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट माल के सिवाय, कोई भी खतरनाक माल किसी वायुयान में यात्रियों के अधिभोग में या किसी वायुयान की फ्लाईट डैक पर नहीं ले जाया जाएगा।

(9) खतरनाक माल के रिसाव या नुकसान के परिणामस्वरूप किसी वायुयान पर पाए गए किसी संकटमय संदूषण को बिना बिलंब के तत्काल हटाया जाएगा।

(10) ऐसे वायुयान को जो रेडियोधर्मी सामग्री से संदूषित हो गया है, तत्काल सेवा से बाहर कर दिया जाएगा और उसे सेवा में तब तक वापस नहीं लाया जाएगा जब तक कि किसी घुंच योग्य स्थान पर विकिरण स्तर और अनियत संदूषण तकनीकी अनुदेशों में विनिर्दिष्ट मानकों से अधिक नहीं है।

(11) ऐसे पैकेजों को जिनमें खतरनाक माल अंतर्विष्ट है जो एक दूसरे के साथ खतरनाक रूप से प्रतिक्रिया कर सकते हैं, किसी वायुयान पर एक दूसरे के पश्चात् एक नहीं चढ़ाया जाएगा या ऐसी स्थिति में नहीं चढ़ाया जाएगा जिसमें रिसाव की स्थिति में उनके बीच पारस्परिक कोई किया हो सके।

(12) विषाक्त और संक्रामक पेदार्थों के पैकेजों को किसी वायुयान पर तकनीकी अनुदेशों में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार ही चढ़ाया जाएगा।

(13) रेडियोधर्मी सामग्री के पैकेजों को किसी वायुयान पर इस प्रकार चढ़ाया जाएगा जिससे कि उन्हें व्यक्तियों, जीवित पशुओं और अविकसित फिल्म से तकनीकी अनुदेशों में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पृथक किया जा सके।

(14) इन नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, जब खतरनाक माल को किसी वायुयान पर लादा जाता है तब प्रचालक उक्त खतरनाक माल के क्षतिग्रस्त होने से संरक्षण करेगा और उक्त वायुयान में ऐसे माल 71161/03-2

को किसी ऐसी रीति से सुरक्षित करेगा जिससे उड़ान के दौरान किसी संचालक को रोका जा सके जो पैकेज के पूर्वाभिमुखीकरण को परिवर्तित करता हो। ऐसे पैकेजों के लिए जिनमें रेडियोधर्मी सामग्री अंतर्विष्ट हैं, ऐसी सुरक्षा यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त होगी कि उपनियम (13) के पृथक्करण की अपेक्षाओं को हर समय पूरा किया जाता है।

(15) तकनीकी अनुदेशों में जैसा उपबंधित हो, उसके सिवाय, खतरनाक माल के पैकेजों पर “कारगो एयरक्राफ्ट ऑनली” लिखा हुआ लेबल लगा होगा और उन्हीं पैकेजों को ऐसी रीति में लादा जाएगा जिससे कि कर्मांदल सदस्य या अन्य प्राधिकृत व्यक्ति उसे देख सकें, उसका रख रखाव कर सकें और जहाँ आकार और वजन अनुज्ञा देता हो ऐसे पैकेजों को उड़ान के दौरान अन्य स्थौरा से पृथक कर सकते हैं।

10. सूचना का उपबंध - (1) उस वायुयान का प्रचालक जिसमें खतरनाक माल को ले जाना है, पायलट-इन-कमांड को वायुयान के प्रस्थान से पूर्व यथासाध्य शीघ्र तकनीकी अनुदेशों की अपेक्षा के अनुसार लिखित में सूचना देगा।

(2) प्रचालक आपरेशन मैनुअल में ऐसी सूचना उपलब्ध कराएगा जिससे उड़ान कर्मांदल सदस्य को खतरनाक माल के परिवहन के संबंध में अपने दायित्वों को पूरा करने में समर्थ बनाया जा सके और उन कार्यों के बारे में अनुदेश भी उपलब्ध कराएगा जो खतरनाक माल को अंतग्रस्त करते हुए उत्पन्न आपातकाल की दशा में करने होंगे।

(3) प्रचालक यह सुनिश्चित करेंगे कि सूचना ऐसी रीति में प्रख्यापित की गई है कि यात्रियों को माल की उन किस्मों के बारे में चेतावनी दी गई है जिन्हे वे तकनीकी अनुदेशों में यथाउपबंधित रूप में किसी वायुयान पर परिवहन करने से वर्जित हैं।

(4) वायुयान द्वारा खतरनाक माल के परिवहन में लगे हुए प्रचालक माल भेजने वाले या अन्य संगठन अपने कार्मिकों को ऐसी जानकारी उपलब्ध कराएंगे जिससे वे खतरनाक माल के परिवहन के संबंध में अपने दायित्वों को पूरा कर सकें और इस बारे में अनुदेश भी प्रदान करेंगे जिससे खतरनाक माल के संबंध में उत्पन्न आपातकाल की दशा में कार्रवाई कर सकें।

(5) यदि उड़ान के दौरान कोई आपात स्थिति उत्पन्न होती है तो पायलट-इन-कमांड, जैसे ही स्थिति अनुकूल बनती है, वायुयान के फलक पर किसी खतरनाक माल की, विमानन क्षेत्र प्राधिकारियों की सूचना के लिए तकनीकी अनुदेशों में यथा उपबंधित समुचित वायु यातायात सेवा एकक को सूचना देगा।

(6) किसी वायुयान दुर्घटना की दशा में, खतरनाक माल को स्थौरा के रूप में ले जाने वाले वायुयान का प्रचालक बिना विलंब वायुयान खतरनाक माल के बारे में दुर्घटना के संबंध में उचित कार्रवाई करने के लिए आपात कार्मिकों को सूचना देगा जैसा कि पायलट-इन-कमांड को लिखित सूचना में दर्शित किया गया है।

(7) किसी वायुयान घटना की दशा में, स्थौरा के रूप में खतरनाक माल को ले जाने वाले, वायुयान का प्रचालक, अनुरोध पर बिना विलंब वायुयान में खतरनाक माल के बारे में पायलट-इन-कमांड, को दर्शायी गई लिखित सूचना के अनुसार किसी घटना के प्रति कार्रवाई करने के लिए आपात कार्मिकर्णे को सूचना उपलब्ध कराएगा ।

11. खतरनाक माल दुर्घटनाओं की रिपोर्ट - खतरनाक माल दुर्घटना या खतरनाक माल घटना की दशा में, यथास्थिति, वायुयान का पायलट-इन-कमांड, और वायुयान का प्रचालक या विमानन क्षेत्र या वायुयान विमानन क्षेत्र का प्रचालक महानिदेशक को लिखित में ऐसे खतरनाक माल दुर्घटना या खतरनाक माल घटना के बारे में ऐसे प्ररूप में रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जिसे समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए ।

12. प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थापना - (1) कोई भी व्यक्ति खतरनाक माल के परिवहन में किसी भी रीति में स्वयं को तब तक नहीं लगाएगा जब तक कि उसने तकनीकी अनुदेशों के अनुसार कोई उचित प्रशिक्षण न लिया हो ।

(2) आरंभिक और पुनरावृति खतरनाक माल प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नलिखित द्वारा या उनकी ओर से स्थापित और अनुरक्षित किया जाएगा ।

- (क) खतरनाक माल को भेजने वाले जिनके अंतर्गत पैकर्स और माल भेजने वाले के अभिकर्ता भी हैं ;
- (ख) प्रचालक ;
- (ग) वे अभिकरण जो प्रचालक की ओर से स्थौरा को स्वीकार करने, उत्तरने, बदलने, करार करने, उतारने, अंतरण करने या अन्य प्रक्रियाओं का कार्य करते हैं ;
- (घ) किसी विमानन क्षेत्र में अवस्थित अभिकरण जो प्रचालक की ओर से यात्रियों के संबंध में प्रक्रिया करने का कार्य करते हैं ;
- (ङ) ऐसे अभिकरण जो किसी विमानन क्षेत्र में अवस्थित नहीं है और जो प्रचालक की ओर से यात्रियों की जांच करने का कार्य करते हैं ;
- (च) प्रचालकों से भिन्न, स्थौरा की प्रक्रिया में लगे हुए अभिकरण ; और
- (छ) यात्रियों ओर उनके सामान की सुरक्षा स्क्रीनिंग में लगे अभिकरण ।

(3) प्रशिक्षण, प्रशिक्षित किए जाने वाले कार्मिकों के उत्तरदायित्वों के अनुरूप अपेक्षाओं में प्रदान किया जाएगा और ऐसे प्रशिक्षण के अंतर्गत निम्नलिखित सम्मिलित होगा —

- (क) साधारण उपबंधों से सुपरिचित कराने के उद्देश्य से साधारण सुपरिचय प्रशिक्षण;
- (ख) विनिर्दिष्ट कृत्य संबंधी प्रशिक्षण जिसमें उस कृत्य का जिसके लिए वह व्यक्ति उत्तरदायी है, अपेक्षाओं में विस्तृत प्रशिक्षण देना भी है;
- (ग) सुरक्षा प्रशिक्षण जो खतरनाक माल द्वारा प्रस्तुत परिसंकट, सुरक्षित हथालन और आपात काल में कार्रवाई करने की प्रक्रिया के लिए हो ।

(4) ऐसा प्रशिक्षण किसी व्यक्ति के नियोजन के समय उस स्थिति में प्रदान किया जाएगा या सत्यापित किया जाएगा जिसमें वायुयान द्वारा खतरनाक माल के परिवहन अंतर्वालित हो और पुनरावृत्ति प्रशिक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसका ज्ञान सामयिक है, पूर्व प्रशिक्षण के 24 मास के भीतर दिया जाएगा ।

(5) प्रचालकों द्वारा या उनकी ओर से स्थापित और अनुरक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रचालक के राज्य द्वारा पुनर्विलोकन तथा अनुमोदन के अध्यधीन तथा प्रचालकों से भिन्न अभिकरणों द्वारा या उनकी ओर से स्थापित और अनुरक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम महानिदेशक द्वारा पुनर्विलोकन और अनुमोदन के अध्यधीन होंगे ।

13. महानिदेशक द्वारा निदेश - महानिदेशक, वैमानिक सूचना परिपत्रों (ए आई सी एस) और नागर विमानन अपेक्षा (सी ए आर एस) नाम के प्रकाशन के माध्यम से वायुयान द्वारा खतरनाक माल के वहन से प्रत्यक्षतः या परोक्षतः संबंधित किसी अन्य पैकिंग, चिन्हांकन, लेबल लगाना, स्वीकृति, हथालने, लदाई, उत्तराई, भंडारण, प्रशिक्षण और कोई क्रिया या प्रक्रिया से संबंधित विशेष अनुदेश जारी कर सकेगा जो वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) वायुयान नियम, 1937 या इन नियमों के उपबंधों से असंगत न हो ।

14. छूट देने की साधारण शक्ति - केन्द्रीय सरकार, लिखित में साधारण या विशेष आदेश द्वारा किसी वायुयान या किसी वर्ग के वायुयान या किसी व्यक्ति या किसी वर्ग के व्यक्तियों को इन नियमों के प्रवर्तन से पूर्णतः या भागतः ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए यदि कोई हो, तो उस आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, छूट दे सकेगी ।

[फा. सं. ए.वी.-11012/5/99-ए]
अनुराग गोयल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th March, 2003

G.S.R. 206(E).— Whereas the draft of the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2002 was published as required by Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 27th July, 2002 with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation number GSR 289 dated the 12th July, 2002 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of forty five days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public:

And Whereas copies of the said Gazette of India were made available to the public on 27th July, 2002.

And Whereas no objections or suggestions have been received on the said draft rules :

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by Section 5 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely: -

1. Short title, extent and application.— (1) These rules may be called the Aircraft (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 2003.

(2) They extend to whole of India and apply also -

- (a) to aircraft registered in India or aircraft operated by an operator who has his principal place of business or permanent place of residence in India, wherever they may be;
- (b) to all aircraft for the time being in or over India; and
- (c) to persons operating air transport services to, from, within and over India, shippers of dangerous goods or their agents.

(3) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. Definitions and interpretation.— In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context—

- (1) “aerodrome” means any definite or limited ground or water area intended to be used, either wholly or in part, for the landing or departure of aircraft, and includes all buildings, sheds, vessels, piers and other structures thereon or appertaining thereto;
- (2) “aircraft” means any machine which can derive support in the atmosphere from reactions of the air other than reactions of the air against the earth’s surface and includes balloons whether fixed or free, airships, kites, gliders and flying machines;
- (3) “cargo aircraft” means any aircraft, other than a passenger aircraft, which is carrying goods or property;
- (4) “crew member” means a person assigned by an operator to duty on an aircraft during a flight duty period;
- (5) “dangerous goods” means articles or substances which are capable of posing a risk to health, safety, property or the environment and which are listed as such in the Technical Instructions or which are classified according to the Technical Instructions, and also includes arms, military stores, implements of war and munitions of war;
- (6) “dangerous goods accident” means an occurrence associated with and related to the transport of dangerous goods by air which results in fatal or serious injury to a person or major property damage;
- (7) “dangerous goods incident” means an occurrence, other than a dangerous goods accident, associated with and related to the transport of dangerous goods by air, not necessarily occurring on board an aircraft, which results in injury to a person, damage to property, fire, breakage, spillage, leakage of fluid or radiation or other evidence that the integrity of the packaging has not been maintained and also includes any occurrence relating to the transport of dangerous goods which seriously jeopardizes the aircraft or its occupants;
- (8) “Director-General” means Director General of Civil Aviation;
- (9) “flight crew member” means a licensed crew member charged with duties essential to the operation of an aircraft during a flight duty period;

- (10) "operator" means a person, organisation or enterprise engaged in or offering to engage in an aircraft operation;
- (11) "overpack" means an enclosure used by a single shipper to contain one or more packages and to form one handling unit for convenience of handling and stowage;
- (12) "package" means the complete product of the packing operation consisting of the packaging and its contents prepared for transport;
- (13) "packaging" means receptacles and any other components or materials necessary for the receptacle to perform its containment function;
- (14) "passenger aircraft" means an aircraft that carries any person other than a crew member, an operator's employee in an official capacity, an authorized representative of an appropriate national authority or a person accompanying a consignment or other cargo;
- (15) "pilot-in-command" means the pilot designated by the operator, or in the case of general aviation by the owner, as being in command and charged with the safe conduct of a flight;
- (16) "serious injury" means an injury which is sustained by a person in an accident and which;
 - (a) requires hospitalization for more than 48 hours, commencing within seven days from the date the injury was received; or
 - (b) results in a fracture of any bone (except simple fractures of fingers, toes or nose); or
 - (c) involves lacerations which cause severe haemorrhage, nerve, muscle or tendon damage; or
 - (d) involves injury to any internal organ; or
 - (e) involves second or third degree burns, or any burns affecting more than five per cent of the body surface; or
 - (f) involves verified exposure to infectious substances or injurious radiation;
- (17) "State of the operator" means the State in which the operator's principal place of business is located or, if there is no such place of business, the operator's permanent place of residence;
- (18) "Technical Instructions" means the Technical Instructions for the Safe Transport of Dangerous Goods by Air issued by the International Civil Aviation Organisation;
- (19) "UN number" means the four-digit number assigned by the United Nations Committee of Experts on the Transport of Dangerous Goods to identify a substance or a particular group of substances;
- (20) "Unit load device" means any type of freight container, aircraft container or aircraft pallet with a net, but excluding an overpack, designed for loading on an aircraft.

3. Carriage of dangerous goods by air—(1) Save as otherwise provided in these rules, no person shall carry or cause or permit to be carried in any aircraft to, from, within or over India or deliver or cause to be delivered for loading on such aircraft any dangerous goods, except in accordance with and subject to the terms and conditions of a permission in writing granted by the Central Government.

(2) Notwithstanding anything contained in Sub-rule (1), the following classes of dangerous goods may, subject to the provisions of Sub-rule (3), be carried in any aircraft, namely:

- (a) articles and substances which are required to be aboard the aircraft in accordance with the pertinent airworthiness requirements and operating regulations or that are authorized by the State of the operator to meet special requirements;
- (b) such goods as are required for the propulsion of the means of transport or the operation of its specialized equipment during transport (e.g. refrigeration units) or those that are required in accordance with the operating regulations (e.g. fire extinguishers).
- (c) aerosols, alcoholic beverages, perfumes, colognes, safety matches and liquefied gas lighters carried aboard a passenger aircraft by the operator for use or sale on the aircraft during the flight or series of flights, but excluding non-refillable gas lighters and those lighters liable to leak when exposed to reduced pressure;

- (d) dry ice intended for use in food and beverage service on board the aircraft;
- (e) such goods as are required to provide during flight, medical aid to a person or veterinary aid or a humane killer for an animal;
- (f) such goods as are required for dropping in connection with agricultural, horticultural, forestry or pollution control activities;
- (g) such goods as are required to provide, during flight, aid in connection with search and rescue operations;
- (h) articles and substances such as small gaseous oxygen or air cylinders required for medical use, radioisotopic cardiac pacemakers or other devices, wheelchairs or other battery-powered mobility aids, safety matches or a lighter and non-radioactive medicinal or toilet articles like medicines containing alcohols, hair sprays, perfumes and colognes etc. in small quantities as permissible to be carried by passengers and crew in accordance with the Technical Instructions.

(3) Where the carriage of dangerous goods is permitted under sub-rule (1) or by sub-rule (2), it shall be the duty of the shipper, of the operator and of every person concerned with packing, marking, labelling, acceptance, handling, loading, unloading, storage, transportation or any other process connected directly or indirectly with carriage of such dangerous goods, to take all precautions to avoid danger to aircraft or to persons therein or to any other person or property and in particular to ensure :

- (a) that the dangerous goods are so packed, protected and secured as to avoid the possibility of their being a source of danger;
- (b) that the dangerous goods are carried so as not be accessible to the passengers on the aircraft;
- (c) that the nature of the dangerous goods is plainly and conspicuously marked on the outside of the package containing them; and
- (d) that all other provisions of the Technical Instructions and the terms and conditions of the permission granted by the Central Government are strictly complied with.

4. Custody of unauthorised Dangerous Goods. — Where any officer authorised in this behalf by the Central Government has reason to believe that the provisions of this rule are, or are about to be, contravened, he may cause the dangerous goods in question to be placed under his custody pending detailed examination of the nature of the goods or pending a decision regarding the action, if any, to be taken in the matter.

5. Packing. — (1) Dangerous goods shall be packed in accordance with the requirements specified in the Technical Instructions in addition to the provisions of this rule.

(2) It shall be ensured that no harmful quantity of a dangerous substance adheres to the outside of the packagings used for the transport of the dangerous goods.

(3) Packagings used for the transport of dangerous goods by air shall be of good quality and shall be constructed and securely closed so as to prevent leakage which might be caused in normal conditions of transport by changes in temperature, humidity or pressure, or by vibration.

(4) The packagings shall be suitable for the contents and the packagings in direct contact with dangerous goods shall be resistant to any chemical or other action of such goods.

(5) Inner packagings used for the transport of the dangerous goods shall be packed, secured or cushioned in such a manner that no breakage or leakage shall be caused and these shall also control the movement of the dangerous goods within the outer packaging(s) during normal conditions of air transport and also the cushioning and absorbent materials shall not react dangerously with the contents of the receptacles.

(6) No packaging used for the transport of the dangerous goods shall be re-used unless,—

- (a) it has been inspected and found free from corrosion or other damage; and
- (b) all necessary precautions have been taken to prevent contamination of subsequent contents :

Provided that where it is not possible to properly clean a packaging already used for the transport of dangerous goods, then such an uncleared empty packaging shall be transported by air following the same procedure as laid down for the transport of the dangerous goods for which such packagings has been used earlier.

6. **Labelling.** - Unless otherwise provided in the Technical Instructions, each package of dangerous goods shall be labelled in accordance with the requirements specified in the Technical Instructions.

7. **Marking.** - (1) Save as otherwise provided in the Technical Instructions, each package of dangerous goods shall be marked with the proper shipping name of its contents and, when assigned; the UN number and such other markings as may be specified in those Instructions.

(2) Save as otherwise provided in the Technical Instructions, each packaging manufactured to the specifications of the Technical Instructions shall be marked in accordance with the provisions of the Technical Instructions and no other packagings shall be so marked.

8. **Shipper's responsibilities.** - (1) No shipper or his agent shall offer any package or overpack of dangerous goods for transport by air unless he has ensured that such dangerous goods are not forbidden for transport by air and are properly classified, packed, marked and labelled in accordance with the requirements specified in the Technical Instructions.

(2) Unless otherwise provided in these rules, no shipper or his agent shall offer dangerous goods for transport by air unless he has completed, signed and provided to the operator a dangerous goods transport document, as specified in the Technical Instructions.

(3) The dangerous goods transport document shall bear a declaration signed by the shipper indicating that the dangerous goods are fully and accurately described by their proper shipping names and that they are classified, packed, marked, labelled and in proper condition for transport by air as per requirements of the Technical Instructions.

9. **Operator's Responsibilities.** - (1) No operator shall accept dangerous goods for transport by air unless,—

- (a) the dangerous goods are accompanied by a completed dangerous goods transport document, except where the Technical Instructions specify that such a document is not required; and
- (b) the package, overpack or freight container containing the dangerous goods has been inspected in accordance with the acceptance procedures specified in the Technical Instructions.

(2) The operator shall ensure that an acceptance check-list as required by the Technical Instructions has been developed and is being used by his acceptance staff.

(3) Packages and overpacks containing dangerous goods and freight containers containing radioactive materials shall be inspected for evidence of leakage or damage before loading on an aircraft or into a unit load device and such packages, overpacks or freight containers shall be loaded and stowed on an aircraft in accordance with the requirements specified in the Technical Instructions.

(4) The operator shall ensure that no leaking or damaged packages, overpacks or freight containers containing dangerous goods shall be loaded on an aircraft.

(5) A unit load device shall not be loaded aboard an aircraft unless the device has been inspected and found free from any evidence of leakage from, or damage to, any dangerous goods contained therein.

(6) Where any package of dangerous goods loaded on an aircraft appears to be damaged or leaking, the operator shall remove such package from the aircraft, or arrange for its removal by an appropriate authority or organisation, as the case may be, and thereafter shall ensure that the remainder of the consignment is in a proper condition for transport by air and that no other package has been contaminated.

(7) Packages or overpacks containing dangerous goods and freight containers containing radioactive materials shall be inspected for signs of damage or leakage upon unloading from the aircraft or unit load device and if evidence of damage or leakage is found, the area where the dangerous goods or unit load device were stowed on the aircraft shall be inspected for damage or contamination.

(8) No dangerous goods shall be carried in an aircraft cabin occupied by passengers or on the flight deck of an aircraft, except those specified in sub-rule (2) of rule 3.

(9) Any hazardous contamination found on an aircraft as a result of leakage or damage to dangerous goods shall be removed without delay.

(10) An aircraft which has been contaminated by radioactive materials shall immediately be taken out of service and not returned to service until the radiation level at any accessible surface and the non-fixed contamination are not more than the values specified in the Technical Instructions.

(11) Packages containing dangerous goods which might react dangerously with one another shall not be stowed on an aircraft next to each other or in a position that would allow interaction between them in the event of leakage.

(12) Packages of toxic and infectious substances shall be stowed on an aircraft in accordance with the requirements specified in the Technical Instructions.

(13) Packages of radioactive materials shall be stowed on an aircraft so that they are separated from persons; live animals and undeveloped film, in accordance with the requirements specified in the Technical Instructions.

(14) Subject to the provisions of these rules, when dangerous goods are loaded in an aircraft, the operator shall protect the dangerous goods from being damaged, and shall secure such goods in the aircraft in such a manner that will prevent any movement -in-flight which would change the orientation of the packages. For packages containing radioactive materials, the securing shall be adequate to ensure that the separation requirements of sub-rule (13) are met at all times.

(15) Except as otherwise provided in the Technical Instructions, packages of dangerous goods bearing the "Cargo aircraft only" label shall be loaded in such a manner that a crew member or other authorised person can see, handle and, where size and weight permit, separate such packages from other cargo in flight.

10. Provision of Information.—(1) The operator of the aircraft in which dangerous goods are to be carried shall provide information in writing to the pilot-in-command as early as practicable before departure of the aircraft as required by the Technical Instructions.

(2) The operator shall provide such information in the Operations Manual so as to enable the flight crew member to carry out their responsibilities with regard to the transport of dangerous goods and shall also provide instructions as to the action to be taken in the event of emergencies arising involving dangerous goods.

(3) Operators shall ensure that information is promulgated in such a manner that passengers are warned as to the types of goods which they are forbidden from transporting on board an aircraft as provided in the Technical Instructions.

(4) Operators, shippers or other organisations involved in the transport of dangerous goods by air shall provide such information to their personnel so as to enable them to carry out their responsibilities with regard to the transport of dangerous goods and shall also provide instructions as to the action to be taken in the event of emergencies arising involving dangerous goods.

(5) If an in-flight emergency occurs, the pilot-in-command shall, as soon as the situation permits, inform the appropriate air traffic services unit, for the information of aerodrome authorities, of any dangerous goods on board the aircraft, as provided in the Technical Instructions.

(6) In the event of an aircraft accident, the operator of an aircraft carrying dangerous goods as cargo shall provide information, without delay, to emergency personnel responding to the accident about the dangerous goods on board, as shown on the written information to the pilot-in-command.

(7) In the event of an aircraft incident, the operator of an aircraft carrying dangerous goods as cargo shall, upon request, provide information, without delay, to emergency personnel responding to the incident about the dangerous goods on board, as shown on the written information to the pilot-in-command.

11. Report of dangerous goods accidents and incidents.—In the event of a dangerous goods accident or dangerous goods incident, as the case may be, the pilot-in-command of the aircraft and the operator of the aircraft or of the aerodrome, as the case may be, shall submit a report in writing to the Director-General on such dangerous goods accident or dangerous goods incident in such form as he may specify from time to time.

12. Establishment of Training Programmes.—(1) No person shall engage himself in any manner in the transport of dangerous goods unless he has undergone proper training in accordance with the Technical Instructions.

(2) Initial and recurrent dangerous goods training programmes shall be established and maintained by or on behalf of—

- (a) shippers of dangerous goods including packers and shippers' agents;
- (b) operators;
- (c) agencies which perform, on behalf of the operator, the act of accepting, handling, loading, unloading, transferring or other processing of cargo;
- (d) agencies located at an aerodrome which perform, on behalf of the operator, the act of processing passengers;

- (e) agencies not located at an aerodrome which perform, on behalf of the operator, the act of checking in passengers;
 - (f) agencies, other than operators, involved in processing of cargo; and
 - (g) agencies engaged in the security screening of passengers and their baggage.
- (3) Training shall be provided in the requirements commensurate with the responsibilities of the personnel being trained and such training shall include—
- (a) general familiarization training aimed at providing familiarity with the general provisions;
 - (b) function-specific training providing detailed training in the requirements applicable to the function for which that person is responsible; and
 - (c) safety training covering the hazards presented by dangerous goods, safe handling and emergency response procedures.
- (4) Training shall be provided or verified upon the employment of a person in a position involving the transport of dangerous goods by air and recurrent training shall take place within twenty-four months of previous training to ensure knowledge is current.

(5) The training programmes established and maintained by or on behalf of operators shall be subjected to review and approval by the State of the operator and the training programmes established and maintained by or on behalf of agencies other than operators shall be subjected to review and approval by the Director-General.

13. Directions by Director-General.—The Director General may, through Aeronautical Information Circulars (AMCs) and publication entitled Civil Aviation Requirements (CARs), issue special directions, not inconsistent with the provisions of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Aircraft Rules, 1937 or these rules, relating to packing, marking, labelling, acceptance, handling, loading, unloading, storage, training and any other process or procedure connected directly or indirectly with the carriage of dangerous goods by air.

14. General Power to exempt.—The Central Government may, by general or special order in writing, except any aircraft or class of aircraft or any person or class of persons from the operation of these rules, either wholly or partially, subject to such conditions, if any, as may be specified in that order.

[File No. AV. 11012/5/99-A]

ANURAG GOEL, R. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2003

सा.का.नि. 207 (अ).—केन्द्र सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की वाय 5 की उपलब्ध (2) द्वाय उद्दाहरणों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा वायुयान नियमावली, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाये हैं, जापान:—

1. (1) इन नियमों को वायुयान (.....संशोधन) नियम, 2003 कहा जाएगा।
- (2) ये राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. वायुयान नियमावली, 1937 में नियम 8 का लोप किया जाएगा।

[पात्र सं. द.वी. 11012/5/99-ए]

अनुराग गोप्ता, वायुयान सचिव

टिक्काणी :—(1) मूल नियम दिनांक 26 मार्च, 1937 की अधिसूचना संख्या वी-26 के द्वाय उपलब्ध किए गए थे और निम्नलिखित द्वाय वाद में संशोधित किए गए:—

- (i) का. नि. आ. 594 दिनांक 2-3-1956
- (ii) सा. का. नि. 824 दिनांक 12-5-1960 और
- (iii) सा. का. नि. 1934 दिनांक 17-8-1963

- (2) वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) के खण्ड 14 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, सार्वजनिक हित में, नागर कियान्न मंत्रालय में जारी दिनांक 3-3-2003 के आदेश सं. एचौ-11012/5/99-ए की इस अधिसूचना के अन्तर्में घूर्ण प्रकाशित रहती की अलग करती है।

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th March, 2003

G.S.R. 287(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (.....Amendment) Rules, 2003.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937, rule 8 shall be deleted.

[E. No. AV-11012/5/99-A]

ANURAG GOEL, Jr. Secy.

Note : (1) The principal rules were published vide notification number V-26, dated 26th March, 1937, and subsequently amended by :—

- (i) SRO No. 594 dated 2-3-1956
- (ii) GSR No. 824 dated 12-5-1960 and
- (iii) GSR No. 1934 dated 17-8-1963.

(2) The Central Government in exercise of the powers conferred by proviso to Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) has in the public interest dispensed with the condition of previous publication in case of this notification vide its Order No. AV-11012/5/99-A dated 3-3-2003 issued in the Ministry of Civil Aviation.